हिंदी पाठ्यक्रम - 'बी'
कक्षा - 10

एक प्रश्न पत्र **समय 3 घंटे** **पूर्णांक 100**

1. लिखित		
(क)	अपठित गद्यांश	15
(ख)	रचना	15
	(i) निबंध/अनुच्छेद	
	(ii) पत्र	
(ग)	व्यावहारिक व्याकरण	15
(घ)	पाठ्यपुस्तकें	
	i) स्पर्श भाग-2	35
	ii) पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन भाग-2	10
2. मौखिक		
	i) सुनना	5
	ii) बोलना	5
		100

खंड (क)

अपठित गद्यांश

छात्र द्वारा अर्जित भाषायी दक्षता को ध्यान में रखते हुए लगभग 350-450 शब्दों के कोई सार्थक दो अंश (गद्य) दिए जाएँ। ये अंश छात्रों के सामाजिक विज्ञान अथवा विज्ञान आदि की पुस्तकों से संबंधित भी हो सकते हैं। अन्य भाषाओं की हिंदी में अनूदित रचना भी हो सकती है।

i) एक गद्यांश पर प्राचीन पद्धति के अनुसार चार-पाँच ज्ञान एवं तर्क को परखने हेतु प्रश्न होने चाहिए। 8

ii) दूसरे गद्यांश पर छात्रों को प्रश्न पूछने का अवसर दे उनकी कल्पनाशीलता और अपेक्षाओं को परखने का प्रयास होना चाहिए। 7

इनका अंक विभाजन उपर्युक्त प्रकार से किया जा सकता है।

खंड (ख)

रचना

i) निबंध/अनुच्छेद 8

छात्रों को निबंध/अनुच्छेद लेखन हेतु पारंपरिक विषयों को न देकर आस-पास घटित किन बातों से उसे संतोष मिलता है या कौन-सी बातें उसे परेशान करती है और उसके समाधान

www.questionbodh.com

हेतु वह क्या करना चाहता है बताना/सुझाना चाहता है तो ऐसे किसी समसामयिक चुनौतीपूर्ण विषय पर निबंध/अनुच्छेद लिखें।
(इसे शब्द सीमा में न बाँधकर छात्र द्वारा अभिव्यक्त भाव-विचार और उसकी लेखन शैली के आधार पर नंबर दिए जाएँ)

ii) पत्र 7

अपने आस-पास व्याप्त कुव्यवस्था यथा–
क) सड़कों पर आवारा मवेशियों का घूमना
ख) कूड़ा-कचरा सड़कों पर सड़ते रहना
ग) पीने के लिए नलों में गंदा पानी आना
घ) आस-पास खुली जगह न होना
ड) शादी-व्याह, जगराते इत्यादि में लाउडस्पीकर का प्रयोग
इत्यादि विषयों के प्रति जिला अधिकारी अथवा किसी दैनिक पत्र के संपादक को पत्र लिखना।

खंड (ग)

व्यावहारिक व्याकरण 15

i) वाक्य रूपांतरण करवाकर सरल, मिश्र एवं संयुक्त वाक्य संबंधी ज्ञान को पुष्ट करने हेतु चार-पाँच वाक्य रूपांतरित करवाने चाहिए। 4

ii) कोई ऐसा गद्यांश दें जिससे उसी में से संधि, समास और उपसर्ग, प्रत्यय की जाँच की जा सके। जैसे– 4
पीतांबरधारी गिरिधर ने निस्संकोच उन्हें लघुता त्याग बड़े होने का कर्तव्य निर्वहण करने के लिए कहा
पीत + अंबर – पीतांबर
गिरिधर – श्रीकृष्ण (बहुब्रीहि समास)
लघुता – ता प्रत्यय
निस्संकोच – नि: उपसर्ग

iii) मुहावरे, लोकोक्ति का वाक्य में प्रयोग 2

iv) अनेकार्थी, समानार्थी तथा विलोमार्थी शब्द पूछे जाएँ 3

v) पदबंध की पहचान। गद्यांश देकर पदबंध की पहचान करवाना। 2

नोट : iii, iv, v पर प्रश्न पूछते समय छात्रों द्वारा अर्जित भाषायी क्षमता और पाठ्यपुस्तक में आए प्रयोग, अंश को केंद्र में रखें।

www.questionbouh.com

खंड (घ)

पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग-2 35

i) **काव्य खंड** 15

ii) **गद्य खंड** 20

काव्य खंड

i) कोई काव्यांश देकर छात्रों से पूछना चाहिए कि उन्होंने उस काव्यांश का क्या अर्थ/भाव समझा है और कवि ने किस भावना से प्रेरित हो यह कविता लिखी होगी–अपने विचार व्यक्त करें। 4

ii) पुस्तक में सम्मिलित किसी कविता के संदर्भानुसार उसे जीवन से जोड़ने संबंधी प्रश्न पूछे जा सकते हैं; जैसे–'मनुष्यता' कविता पढ़ने के बाद राह में पड़े किसी आपद्ग्रस्त के प्रति उसके मन में क्या भाव आएगा। क्या कविता पढ़ने के पहले और बाद में वह अपने सोच में परिवर्तन पाता है? 4

इसी प्रकार अन्य कविताओं के निहित संदेश को वास्तविक जीवन से जोड़ कर प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

iii) विभिन्न कविताओं से काव्य सौन्दर्य, भाव सौन्दर्य, अर्थगाम्भीर्य एवं काव्य संबंधी विशिष्ट शैली पर आधारित तीन–चार प्रश्न पूछे जा सकते हैं। 6

गद्य खंड

i) कोई गद्यांश (गद्यांश या एक पंक्ति) देकर उसकी व्याख्या छात्रों से उनके द्वारा ग्रहण किए गए अर्थ के अनुसार करवाई जाए। 4

ii) पाठ के आधार पर उससे मिलती–जुलती परिस्थिति में छात्र की प्रतिक्रिया कैसी होगी ऐसे प्रश्न पूछे जाएँ। 4

iii) पाठ के अर्थ एवं भाव ग्रहण की परख हेतु तीन प्रश्न पूछे जाएँ। 4x3=12

www.questionbodh.com

खंड (क)

अपठित गद्यांश

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए। इस अंश के लिए कोई उपयुक्त शीर्षक भी सुझाइए। 8

अवसर और भाग्य के बिना कोई कुछ नहीं कर सकता। और ये दोनों ही सुनील गावसकर को भरपूर और खुले हाथों मिले। लेकिन अवसर को ऐतिहासिक बनाने की क्षमता सुनील गावसकर ने भाग्य को पराक्रम में बदलकर प्राप्त की। उन्हें लार्ड्स पर खेलते देखकर पुराने सभी खिलाड़ी उनकी शुद्ध शास्त्रीयता पर मुग्ध थे। यह शास्त्रीयता गावसकर ने अपने समर्पण, दृढ़निश्चय और एकाग्रता से इंच-इंच करके उसी तरह कमाई, जिस तरह वे अपनी पारी को ईंट पर ईंट रखकर खड़ी करते थे। जिस देश के बेजान पिचों पर मध्यम तेज़ गोलंदाजी कर सकने वाले दो गोलंदाज तक नहीं थे, वह क्रिकेट इतिहास का सबसे सुरक्षित और सबसे ज़्यादा रन बनाने वाला ओपनिंग बल्लेबाज पैदा नहीं कर सकता था। सुनील गावसकर भारतीय क्रिकेट की उपज नहीं हैं। वे जो कुछ भी हैं, अपने पराक्रम से हैं।

क) अवसर और भाग्य का जीवन में क्या महत्त्व है?

ख) सुनील गावस्कर ने शास्त्रीयता कैसे कमाई?

ग) सुनील गावस्कर भारतीय क्रिकेट की उपज नहीं हैं कैसे?

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अपने मन में घुमड़ने वाले उन प्रश्नों को लिखिए जिनके उत्तर आप पाना चाहते हैं? 7

कर्नाटक के एक चुनाव क्षेत्र का हर दूसरा मतदाता फर्जी

नई दिल्ली, 7 मार्च (भाषा)। कर्नाटक के राजाजी विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज हर दूसरे गैर सरकारी संगठन को गलत साबित करने की कोशिश में अपने ही रिकार्ड में अनियमितता का पता चलने से स्थानीय प्रशासन और मुख्य निर्वाचन अधिकारी की काफी फजीहत हुई है। एक स्थानीस एनजीओ ने 2005 में विधानसभा क्षेत्र के तीन मतदान केंद्रो के अध्ययन में 70 फीसदी तक अनियमितता पाई थी। एनजीओ के दावे से भौचके राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी ने मामले की जाँच की और उसकी कार्यविधि में कुछ निहित खामियाँ पाई।

सरकारी सूत्रों के मुताबिक उसके स्वयंसेवियों को कन्नड़ भाषा नहीं आने से बहुत से घरों का पता नहीं चल पाया था। अध्ययन के लिए आखिरी तारीख भी तय नहीं थी और एनजीओ ने इसमें कुल लगभग चार करोड़ मतदाताओं में से 0.04 फीसद मतदाताओं को ही शामिल किया। एनजीओ को सत्यापन कार्य के लिए स्थानीय राजस्व अधिकारियों से संपर्क करने की सलाह दी। इसमें कई लापता नाम मिल गए, फिर भी 49 फीसद गड़बड़ी निकली। सूत्रों ने कहा इन सबको देखते हुए चुनाव आयोग ने कर्नाटक की मतदाता सूचियों का गहन अध्ययन किया और लगभग 46 विधानसभा क्षेत्रों में घर घर जाकर हरेक मौजुदा नाम की जाँच करने के प्रावधान के साथ विशेष समीक्षा का आदेश दिया।

www.questionbooth.com

खंड (ख)

रचना

1. आपके आस-पास जो कुछ घटित हो रहा है क्या आप उससे संतुष्ट हैं? यदि आपका उत्तर हाँ या नहीं है तो तर्क सहित बताइए कि यदि आप संतुष्ट हैं तो क्यों और यदि 'नहीं' तो ऐसा क्या हो रहा है जो नहीं होना चाहिए। आप उसके लिए क्या करना/सुझाना या बताना चाहते है।
   ऐसे किसी भी विषय पर एक निबंध/अनुच्छेद लिखिए। 8
2. अपने क्षेत्र की किसी समस्या की तरफ अपने यहाँ से निकलने वाले दैनिक पत्र के संपादक को एक पत्र लिखकर नगर निगम अधिकारियों का ध्यान उस समस्या की ओर आकृष्ट कीजिए। 7

खंड (ग)

1. निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठक में दिए निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए- 3
   (क) रेलगाड़ी के आते ही प्लेटफार्म पर भगदड़ मच गई। (मिश्र वाक्य)
   (ख) सुबह होते ही पक्षी चहचहाने लगे। (संयुक्त वाक्य)
   (ग) विक्रम उस समय छत से गिर पड़ा जब वह पतंग उडा रहा था। (सरल वाक्य)
2. निम्नलिखित वाक्य में से उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास युक्त शब्दों को छाँटकर अलग कीजिए और समास के भेद भी बताइए।
   (क) पीताम्बर रात दिन हमारी रक्षा करें और हमें सुबुद्धि प्रदान करें। $1\frac{1}{2}$
   (ख) जीवन की सार्थकता संमार्ग पर चलने पर ही है। 1
   (ग) धार्मिक शास्त्रों में भी इसकी चर्चा नहीं है। उनका राज्याभिषेक वनवास से वापस आने के अनंतर ही होता है। $1\frac{1}{2}$
3. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी दो का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए। 2
   (क) आँख से ओझल होना
   (ख) दीवारों के भी कान होना
   (ग) न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी
   (घ) नेकी कर कुँए में डाल ?
4. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी, विलोमार्थी और अनेकार्थी शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाए। 3
   (क) दिन
   (ख) तरल
   (ग) मुक्त
   (घ) आज्ञा
   (ङ) अर्क (दो अनेकार्थी वाक्य बनाइए)

5. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार पदबंधों को छाँटकर रेखांकित कीजिए।

ओचुमेलॉव ने इस व्यक्ति को पहचान लिया। वह ख्यूक्रिन नामक सुनार था और इस भीड़ के बीचों-बीच अपनी अगली टाँगे पसारे, नुकीले मुँह और पीठ पर फैले पीले दागवाला, अपराधी-सा नजर आता, सफेद बारजोई पिल्ला, ऊपर से नीचे तक काँपता पसरा पड़ा था।

खंड (घ)

पाठ्यपुस्तकें स्पर्श-2

काव्य खंड

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर आपने क्या भाव/अर्थ ग्रहण किया और कवि ने किस भावना से प्रेरित हो यह कविता लिखी होगी अपने विचार अपने शब्दों में लिखिए। 4

1. (क) पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्र हम-सुमन फाड़
अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में निज महाकार

या

(ख) राह कुर्बानियों की न वीरान हो
तुम सजाते ही रहना नए काफिले
फतह का जश्न इस जश्न के बाद है
जिंदगी मौत से मिल रही है गले

2. 'आत्मत्राण' कविता को पढ़कर आप कठिन परिस्थितियों में ईश्वर से किस प्रकार की सहायता प्राप्त करना चाहेंगे-अपने शब्दों में लिखिए। 2
3. क्या 'मनुष्यता' कविता को पढ़ने के बाद आपके सोच में कोई परिवर्तन आया है? आप अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को समझने लग हैं-कैसे स्पष्ट करें। 2
4. 'तोप' कविता सरल शब्द में अर्थगाम्भीर्य का एक सशक्त नमूना है, उद्धृत पक्तियों को आधार बना स्पष्ट करें 2
वे बताती हैं कि दरअसल कितनी भी बड़ी हो तोप
एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद।
5. सोहत औढ़े पीतु पुढ स्याम, खलौने गात।
मनौ नीलमणि-खैल पर आतपु पर्‍यौ प्रभात।।

इन पंक्तियों को पढ़ कर बिंब प्रस्तुति की दृष्टि से इस दोहे के शिल्प विधान पर प्रकाश डालिए। 3

6. कवि के अनुसार
ऐसी बोली बोलिये मन का आपा खोइ।
अपना तन सीतल करे औरन को सुख होई।।
क्या आपने अपने व्यवहार में प्रयोग कर उसका प्रभाव देखा है? अपने शब्दों में अपना अनुभव लिखिए। 2

गद्य खंड

1. निम्नलिखित वाक्याशों से आप क्या समझते हैं तथा इस पाठ में लेखक ने अपने किस बात पर बल देने के लिए इसका प्रयोग किया है? स्पष्ट कीजिए।
   (क) तताँरा-वामीरो की मृत्यु शायद इसी सुखद परिवर्तन के लिए थी। 4

   या

   (ख) हमारी फिल्मों की सबसे बड़ी कमजोरी होती है, लोक-तत्व का अभाव। वे जिंदगी से दूर होती है। यदि त्रासद स्थितियों का चित्रांकन होता है तो उन्हें ग्लोरीफाई किया जाता है। दुख का ऐसा बीभत्स रूप प्रस्तुत होता है जो दर्शकों का भावनात्मक शोषण कर सके।

   इस अंश में 'दर्शकों का भावनात्मक शोषण' पर भी अपने विचार अभिव्यक्त करें।
2. 'गिरगिट' कहानी में इंसपेक्टर ओचुमेलॉव के बार-बार बदलते निर्णय न्याय के खोखलेपन को अभिव्यक्त करती है-क्या इस प्रकार के न्याय को एक सजग नागरिक के रूप में आप स्वीकार करेंगे? यदि नहीं तो ऐसी स्थितियों को बदलने के लिए आप क्या कदम उठाएँगे-लिखिए। 4
3. शुद्ध सोन से गहने नही बनते मन लुभावने गहने गढ़वाने के लिए उसमें ताँबा मिलाना जरूरी होता है-अत: आदर्शोन्मुख व्यवहारिकता समय की माँग और जीवन की आवश्यकता बन गई है-इस पर अपने विचार पक्ष या विपक्ष में जो आपको उचित लगे तर्क सहित प्रस्तुत कीजिए। 4
4. बड़े भाई साहब कहानी की इस पंक्ति-'समय की पाबंदी' पर एक निबंध लिखो, जो चार पन्नों से कम न हो।' में छिपे व्यंग्य को स्पष्ट करते हुए परीक्षा प्रणाली पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 4
5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
   1. कबूतर किस कारणवंश परेशानी में इधर-उधर फड़फडा रहे थे? 2
   2. फिल्म बनाने वाली की शख्शियत और मानसिकता उसके द्वारा बनाई फिल्म में साफ-साफ झलकती है-ऐसी किसी फिल्म के विषय में बताइए। 2

या

3. रूढियाँ जब बाधाएँ प्रतीत होने लगे तब भी उन्हें निभाते जाना चाहिए या उन्हें तोड़ समयानुसार परिवर्तन लाने का प्रयास करना चाहिए? अपने विचार तर्क सहित प्रस्तुत कीजिए।

पूरक पुस्तक

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। 5x2=10

1. अपने अब तक के स्कूली अनुभव के आधार पर बताइए कि क्या लेखक के समान आप के पास भी कोई ऐसी यादें हैं जिन्हें आप भूल नहीं पाते?
2. क्या जहीन होने का मापदण्ड मात्र परीक्षा पास करना हैं—इस संदर्भ में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।
3. घर के बड़े-बूढ़ों की देखभाल क्या तभी करनी चाहिए जब उनके पास देने के लिए जमीन जायदाद या नगदी हो? एक सजग नागरिक की दृष्टि से इस संबंध में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

www.questionbodh.com

मौखिक परीक्षा

मौखिक परीक्षा सतत् मूल्याकंन के रूप में कक्षा अध्यापक द्वारा पूरे साल भर किया जाना चाहिए। अध्यापक द्वारा अपेक्षित भाषिक क्षमता के आधार पर अर्जित श्रवण एवं मौखिक अभिव्यक्ति कौशल में प्राप्त कुशलता के आधार पर हर तीन महीने में छात्र-प्रगति प्रपत्र में दर्ज करते रहना चाहिए।

किसी छात्र में कोइ कमी पाने पर अध्यापक उसे सचेत कर उस कमी को दूर करने के लिए कहे। यथा-किसी की बात पूरी सुने बिना उत्तर देने लगना, बोलते समय गति, यति का ध्यान न रखना, शब्दों का उच्चारण ठीक से न करना आदि। इस आधार पर किए गए मूल्यांकन को साल के अंत में बोर्ड के पास भेज देना चाहिए।

उपर्युक्त प्रकार से किए जाने वाले मूल्यांकन में एक ही बार निर्धारित समय पर मूल्यांकन करने के अध्यापकों पर भी बोझ नहीं पड़ेगा एवं छात्रों के व्यवहार में भाषिक कौशल में दक्षता दिन-प्रतिदिन क्रमशः बेहतर होती जाएगी और भाषा में मौखिक परीक्षा द्वारा यही परिवर्तन लाना इसका उद्देश्य है।

अध्यापक के लिए

अध्यापक कक्षा में निरंतर अवलोकन के साथ-साथ समय-समय पर कक्षा में वार्तालाप, कहानी कथन, अनुभव वर्णन, विाद-विवाद (तर्क शक्ति परीक्षण हेतु), कविता पाठ कक्षा में संवाद बुलवाकर (यथा–किसी कहानी या नाटक की कक्षा में अभिनय सहित प्रस्तुति) इत्यादि करवाकर सुनने बोलने की अपेक्षित योग्यता का आकलन कर सकते हैं।

<u>अपेक्षित उत्तर तालिका</u>

खण्ड (ग)
(व्यावहारिक व्याकरण)

1. क) ज्यों ही रेलगाड़ी प्लेटफॉर्म पर आई वैसे ही भगदड़ मच गई।
   ख) सुबह हुई और पक्षी चहचहाने लगे।
   ग) विक्रम छत से पतंग उड़ाते समय गिर पड़ा।

2. क) पीत + अम्बर – पीला है अंबर जिसका अर्थात श्रीकृष्ण (बहुब्रीहि समास)
   सु + बुद्धि – सु उपसर्ग

   ख) रात-दिन – रात और दिन (द्वंद्व समास)
   सार्थक + ता (प्रत्यय)
   सत् + मार्ग – (सत् उपसर्ग)/संधि

   ग) धर्म + इक (प्रत्यय)
   राज्य + अभिषेक (संधि)
   अन् + अंतर (उपसर्ग/संधि)

3. क) ट्रेन ने चलते ही गति पकड़ ली और धीरे-धीरे आँखों से ओझल हो गई।
   ख) अरे भाई! ज़रा धीरे बोलो दीवारों के भी कान होते हैं।
   ग) गाना गाने के लिए कहने पर मधुरिमा ने संगत करने वालों के ना होने का बहाना किया। यह तो वही बात हो गई कि ना नौ मन तेल होगा और न राधा नाचेगी।
   घ) किसी की मदद करों तो उसे भूल जाना चाहिए, कहा भी है नेकी कर कुँए में डाल।

4. क) <u>रात</u> भर बारिश होती रही। (विलोम)
   ख) <u>ठोस</u> वस्तु पानी में डूब जाती है। (विलोम)
   ग) हिरण <u>स्वच्छंदतापूर्वक</u> भ्रमण कर रहे हैं। (समानार्थी)
   घ) आपके <u>आदेश</u> का पालन किया जाएगा। (समानार्थी)
   ड.) i उसने सूर्य को अर्क दिया।
   ii वैद्य ने उसे अर्क पिलाया।

5. i नुकीले मुँह (विशेषण)
   ii अगली टाँगे पसारे (संज्ञा)
   iii पीठ पर फैले पीले दागवाला (संज्ञा)
   iv सफेद बरजोई पिल्ला (विशेषण)
   v ऊपर से नीचे तक काँपता (क्रिया)

नोट : प्रश्नों के उत्तर छात्र की समझ, तर्क बुद्धि और वर्तमान मुद्दों से जुड़े तथ्यों के प्रति उसकी चिंता और सोच को स्पष्ट करने संबंधी हैं। अतः प्रश्नों के संभावित उत्तर नहीं दिए जा रहे हैं।